# याकूब

1 परमेसुर केर अउर परभु यीसु मसीह केर दास
याकूब की ओर ते उइ बरहों कुलन का जउन
बिखेरे हुइ केर रहत हैं नमस्कार पहुंचे।

**संकट अउर परिच्छा**

[2]ए हमरे भइया लोग जब तुम मेर—मेर की परिच्छा
मा पड़ौ। [3]तौ ई का पूरे खुसी केर बात समझौ, यू
जानि केर कि तुम्हरे विसवासु केर परखे जाय ते
धीरज पैदा होत है। [4]मुला धीरज का आपन पूर काम
करै देव, कि तुम पूर अउर सिद्ध हुइ जाव, अउर तुम
मा कउनिउ बात केर कमी न रहै। [5]मुला तुम मा ते
कउनेउ का अक्किल केर कमी होय तो परमेसुर ते
मागे जउन बिन उरहन दिए सबका खुले हाथन ते देत
हैं, अउर उहिका दीन जाई। [6]मुला भरोसा ते मागे,
अउर कुछ संका न करै, काहे ते कि सन्देह करै वाला
समुंदर केर लहरन की तरह है। [7]जउन बयार ते
बहती अउर उछलति है। अइस मनई यू न सझे कि
मोका परभु ते कुछ मिलत है। [8]उइ मनई ढुलमुल है,
अउर अपनी सबै बातन मा चंचल है।

[9]दीन भाई अपने ऊंचे पद पर घमंड करै। [10]अउर
पैसा वाला अपनी नींच दसा पर काहे ते कि ऊ घास
केर फूल केर जस जात रहिहैं। [11]काहे ते कि सूरज
केर उगतै करेर धूप (कर्रा घाम) परत है अउर घास
का झुलसाए देत है, अउर ऊ केर फूल झरि जात है,
ऊकेर सुन्दरता जात रहत है, वही तरह पैसा वाला
अपनी राह प चलत—चलत धूरि मा मिल जाई।

[12]धन्य है, ऊ मनई जउन परिच्छा मा थिर रहत हैं,
काहें ते की ऊ खरा निकर केर जिन्दगी का ऊ मुकुट
पाई, जी केर वचन ते परभु अपने ते सनेह करै
वालेन का हिनि है।

[13]जब केहू केर परिच्छा होय तो ऊ यू न कहै कि
हमार परिच्छा परमेसुर की ओर ते होत है, काहे ते
कि न तो बुरी बातन ते परमेसुर की परिच्छा हुइ
सकत है अउर न ऊ केहू केर परिच्छा आपै करत है।
[14]मुला हर मनई अपने इच्छा ते खिंचि केर अउर
फंस केर परिच्छा मो परत है। [15]फिर इच्छा गरभवती
हुइ केर पाप का जनति अउर पाप जब बढ़ि जात है
तो मउत का पइदा करत है।

[16]ए हमरे पियारे भइया लोग, धोखा न खाओ।
[17]काहे ते कि हर एक अच्छा वरदान अउर हर एक
बढ़ियां दान ऊपरै ते है अउर जोतियन केर बप्पा केर
ओर ते मिलत है; जी मा न तो कुछु बदलत है अउर
न अदल बदल केर मारे ऊ परछाई परत है। [18]ऊ
अपनी ही इच्छा ते हमका सच्चाई केर वचन ते पइदा
किहिन जी ते कि हम ऊ की रची भई चीजन मा ते
एक तिना केर पहिला फल होई।

**सुनना अउर करन खातिर**

[19]ए हमारे पियारे भइया लोग, ई बात तुम जानत
हौ ई मारे हर एक मनई सुनै खातिर तैयार अउर बोलै
मा धीरा अउर गुस्सा मा धीमा होय। [20]काहे ते कि
मनई केर गुस्सा परमेसुर केर धरम का निभाय नाहीं
सकत है। [21]ई मारे सारी गन्दगी अउर बैर भाव की
बढ़ती का दूर कइके, उइ बचन का नरमी ते मान
लेव, जउन जियरा मा बोया गवा है। अउर जो तुम्हरे
परानन का कल्यान कइ सकत है।

[22]मुला वचन पै चलै वाले बनों अउर खाली सुनै
वाले नाहीं जो अपने आप का धोखा देत है। [23]काहे
ते कि जउन कोऊ वचन का सुनै वाला होय अउर ऊ
पर चलै वाला न होय, तउ ऊ मनई केर जस है
जउन आपन असली मुंह सीसा मा देखत हैं। [24]ई
मारे कि ऊ अपने आप का देखि केर चला जात है
अउर जुरतै भूलि जात है कि हम कइस रहेन। मुला
जउन मनई आजादी केर सिद्ध परबन्ध पर धियान
करत रहत है ऊ अने काम मा ई मारे असीस पइहैं।
[25]कि सुनि केर भूलत नाहीं मुला वइसने काम करत
हैं।

[26]जो कउनौं अपने आप कइहां भगत समझें अउर

अपनी–अपनी जीभ पइहां लगाम न दे, मुला अपने जियरा का धोखा दे तो ऊ की भगती बेकार है। [27]हमरे परमेसुर अउर बप्पा केर पास सुद्ध अउर साफ भगती यहु है कि अनाथन का अउर रान बेवा केर दुख मा उनकी सुधि ले अउर अपने आप का संसार ते पवित्तर राखै।

### पछपात न करिन

2 ए हमारे भइया लोग, हमरे महिमा वाले परभु यीसु मसीह का भरोस तुममा मुंह देखे केर साथ न होय। [2]काहे ते कि जउन याक मनई सोने केर अंगूठी अउर नीक कपड़ा पहिले भये तुम्हरी सभा मा आवै अउर याक कंगालौ मइले कुचइले कपड़ा पहिले भए आवै। [3]अउर तुम उइ नीक कपड़ा वाले का मुंह देखि केर कहो कि तुइ हुआं अच्छी जगह बइठ, अउर उइ कंगाल ते कहौ, कि तुइ हुआ ठाढ़े रह या मोरे पांवन केर पीढ़ी केर तीर बइठ। [4]तो का तुम आपस मा भेद–भाव नाहीं किहेव अउर बुरे विचार ते नियाव करै वाले नहीं भयो?

[5]ए हमारे पियारो भइया लोग, सुनौ, का परमेसुर ई दुनिया केर कंगालन का नाहीं चुनिन कि भरोस मा धनी अउर उइ राज केर अधिकारी होय, जी की परतिग्या ऊ उनते किहिस है, जो ऊसे सँदेस राखत है। [6]मुला तुम उइ कंगाल का निरादर किह्यो का पैसा वाले लोग तुम्हरे ऊपर अत्याचार नहीं करत अउर का वही लोग तुमका अदालतन मा खींच–खींच केर नाहीं लइ जात? [7]का उइ लोग उइ बढ़िया नाम की बुराई नाहीं करत जी केर तुम कहे जात हौ? फिरौ जो तुम पवित्तरसास्त्र केर ई वचन केर मुताबिक केर तुइ अपने पड़ोसी ते अपनी तरह नेह रख।

[8]साचौ उइ राज्य परबन्ध का पूर करत हौ, तो नीकै करत हौ। [9]मुला जो तुम भेदभाव करत हौ तो पाप करत हौ, अउर कानून तुमका अपराधी ठहिरावत है। [10]काहे ते कि जउन कोऊ सारे कानून का पालन करत है मुला याकै बात मा चूक जाय तो ऊ सबै बातन मा दोसी माना गवा। [11]ई मारे कि जउन यहु कहिस कि इ कोऊ केर जिउ न लिहे ई मारे जो तुइ बेभिचारु तो नहीं किहे मुला जि उ लेकी फिरौ तुइ कानून का न माने वाला माना गवा।

[12]तुम उन लोगन की तरह वचन बोलौ अउर कामौ करौ, जिन केर नियाव आजादी केर परबन्ध केर मुताबिक होई। [13]काहे ते कि जउन दया नाहीं किहिस, ऊकेर नियाव बिना दया केर होई दया नियाउ पर जीत पावत है।

### विसवासु अउर कामु

[14]ए हमरे भइया लोग, जो कोऊ कहै कि हमका भरोस है मुला ऊ काम न करत होय, तो ऊसे का फायदा? का अइसन विसवास कब्बौ ऊकेर उद्धार केर सकत है? [15]जो कोऊ भइया या बहिनी नंगे उघारे होय अउर उनका हर दिन खाए केर कमी होय। [16]अउर तुममा ते कोउ उनसे कहै, कुसल ते जाव तुम गरम रहौ अउर भरे पूरे रहौ, मुला जउनी चीजन की देह केर खातिर जरूरी है उइ ऊ का न दे, तो का फायदा? [17]वही तरह विस्वासौ जो करम केर साथ न होय तो अपने सुझाव मा भरा भवा है।

[18]नहीं तो कोऊ कहि सकत है कि तुइका भरोस है अउर हम करम करित है। तुइ आपन भरोस हमका करम केर बिना तो दिखाव, अउर हम आपन विस्वास अपने करमन केर सहारे ते तुइका दिखाउब। [19]तुइका भरोस है कि याकै परमेसुर है, तुइ नीक करत है। बुरी आतमाएं वाले बिसवासु करत है अउर थरथरावा करत है।

[20]मुला हे निकम्में मनई का तुइ यहू नहीं जानत कि करम केर बिना बिसवासु बेकार है। [21]जब हमरे बप्पा अबराम अपने बेटवा इसहाक का वेदी पर चढ़ाइन तो का ऊ करमन ते धरमातिमा नहीं माना गवा। [22]सो तुइ देखि लिहे कि विसवास ऊ केर कामन केर साथ मिलि केर असर किहिस है अउर करमन ते भरोस सिद्ध भवा। [23]अउर पवित्तर सास्त्र केर यू वचन पूर भवा कि अबराम परमेसुर केर भरोस किहिन अउर यू ऊ केर खातिर धरमी गिना गवा अउर ऊ परमेसुर कादोस्त कहा गवा। [24]सो तुम देख लिहयो कि मनई खाली बिसवास ते नाहीं मुला करमन ते धरमी माना जात है।

[25]वइसनै रहाब पतुरियो जब दूतन का अपने घर मा उतारिस अउर दूसरी डगर ते विदा किहिस तो का करमन ते धरमी नाहीं मानी गै? [26]मतलब यू, जइसे देह आतमा बिना मरी भई है वइसनै विसवासु करम बिना मरा भवा है।

### जुबान केर बस मा करिन

3 ए हमरे भइया लोग, तुममा ते बहुत बकता न बने काहे ते कि जानत हौ कि हम उपदेस दे वाले अउरो दोसी माने जइहैं। [2]इ मारे कि हम सब बहुत बार चूक जाइत हैं, जउन कोऊ वचन मा नाहीं चूकत वहै तौ सिद्ध मनई है। अउर सारी देह पर लगाम लगाय सकत है।

[3]जब हम अपने बंस मो करै खातिर घोड़न केर

मुंह मा लगाम लगाइत है तो हम उयकी सारी देहों का फेरि सकत है। 4देखो, जहाजो, वइसै तो अइसन बड़े होत है अउर तेज बयार ते चलाए जात हैं फिरौ एक छोट केर पतवार केर सहारे मल्लाह की इच्छा ते घुमाए जात है। 5वइसनै जीभौ याक छोट केर अंग आय अउर बड़ी–बड़ी बातें हौंकत हैं देखौ तनिक सी आगी ते कित्ते बड़े बन मा आगी लाग जात है। 6जीभौ याक आगी आय, जीभ हमरे आंगन मा अधरम केर याकु संसर आय अउर सारी देह पर कलंकु लगावत है, अउर संसार चक्र मा आगी लगाय देत है अउर नरक कुंड की अगिन ते जलत रहत है।

7काहे ते कि हर तरह केर जंगली जानवर, पंछी, अउर रेंगे वाले जीउ अउर पानी मा रहै वाले जीउ तो मनई की जात केर बस मा हुइ सकत है अउर हुइ गए हैं। 8मुला जीभ का मनई मा ते कउनों बस मा नाहीं कइ सकत, ऊ याक अस बलाय आय जउन कबहूं रुकते नाहीं, वा परान नास करै वाले विस ते भरी भई है।

9यही ते हम परभु अउर बप्पा की गुनगान करित है, अउर यहै ते मनइन का जउन परमेसुर केर रूप मा पइदा भए हैं सराप देइत हैं। 10एकै मुंह ते धन्यवादु अउर सराप दूनौ निकरत है। 11ए हमरे भइया लोग, अइसा नाहीं होय का चाही। 12का सोता के याकै मुंह ते मीठा अउर नमकीन पानी दूनो निकरत हैं। ए मोरे भइया लोग का अंजीर के बिरवा मा जैतून या अंगूर की बेल मा अंजीर लाग सकत हैं? वइसनै नमकीन सोंता ते मीठा पानी नाहीं निकर सकत है।

### दुई किसम ते ध्यान

13तुममा ग्यानी अउर समझदार कउन है? जउन अइसा होय ऊ अपने कामन का अच्छे चाल चलन ते उइ नरमी सहित दिखावे जउन ग्यान ते पइदा होत है। 14मुला जो तुम अपने मन मा जलन अउर बैर खिलाफ राखत हौ तो सच्चाई केर विरोध मा घमंड न किहयो अउर न तो झूठ बोल्यो। 15ई ग्यान ऊ न आय जउन ऊपर ते उतरत है मुला संसारी अउर देह केर अउर सैतान केर आय। 16ई मारे कि जहां जलन अउर विरोध होत है हुआं बखेड़ा अउर हर तरह के बुरे कामौं होत हैं।

17मुला जउन ग्यान ऊपर ते आवत है ऊ पहिले तो पवित्तर होत है, फिर मिलनसार, कोमल, अउर नरमी, अउर दया, अउर अच्छे फलन ते लदा भवा अउर भेदभाव, अउर कपट ते अलग होत है। 18अउर मिलाप करावै वालेन के खातिर धरम का फल मेल मिलाप के साथे बोवा जात है।

### अपन क परमेसुर केर सौंपि दवे

4तुमका लड़ाई अउर झगड़ा काहं ते आय गए? का उइ भोग ते नाहीं जउन तुमरे देहिन मा लड़त भिड़त हैं? 2तुम इच्छा राखत हौ अउर तुमका मिलत नहीं तुम हत्या अउर जलन करत हौ अउर कुछ पाय नाहीं सकत हौ, तुम झगड़त और लड़त हौ तुमका यही मारे नाहीं मिलत, कि मांगत नाहीं। 3तुम मांगत हौ अउर पावत नाहीं, ई मारे कि बुरी इच्छा ते मांगत हौ जीसे की अपने लुच्चापन मा उड़ाय देव।

4ए बेभिचारिन, का तुम नाहीं जनतिउ, कि संसार ते दोस्ती करब परमेसुर ते बैर करब है? सो जउन कोऊ संसार का दोस्त हुआ चहत है ऊ अपने आपका परमेसुर केर बैरी बनावत है। 5का तुम यू समझत हौ कि पवित्तर सास्त्र बेकार की बात कहत है जउनी आतमा का ऊ हमरे भीतर बसाइस है का ऊ अइसी इच्छा करत है जी केर फल जलन होय? 6ऊ तो अउरो किरपा करत है, ई मोर यू लिखा है कि परमेसुर घमंडियन ते विरोध करत है पर दीनन पर किरपा करत है।

7ई मारे परमेसुर के अधीन हुइ जाव अउर सैतान का सामना करौ तो ऊ तुम्हरे तीर ते भाग निकरी। 8परमेसुर के पास जाओ तो वह तुम्हरे पास आई, ए पापी लोग, अपने हाथ पवित्तर करौ, अउर ए दुचिते लोग, अपने जियरा का पवित्तर करौ। 9दुखी होवौ अउर सोक करौ, अउर रोवौ, तुमरी हंसी सोक ते अउर तुम्हार मगन होब उदासी ते बदलि जाय। 10परभु के समूहे दीन बनौ ऊ तुमका सिरोमनि बनइहैं।

11ए भइया लोग याक दूसरे की बदनामी न करौ, जउन अपन भइया की बदनामी करत हय या भइया पर दोस लगावत है, ऊ कानून की बदनामी करत है अउर परबंध पर दोस लगावत है अउर जो तुइ परबंध पर दोस लगावत है तो तुइ परबंध पर चलै वाला नाहीं मुला ऊपर मालिक ठहरा। 12परबंध दे वाला ऊपर मालिक तो याकै है जीमा बचावै अउर नासु करै की ताकत है, तुइ को आय, जउन अपने पड़ोसी पर दोस लगावत है?

### बड़ि चड़ि केर बात न करिन

13तुम जउन ई कहत है कि आज या कल हम करनौ अउरे सहर मा जाय कै हुवां याक बरस बितइबै अउर व्यापार कइके फायदा उठइबै। 14अउर

यू नाहीं जानत कि कल का होई, सुन तो लेव, तुम्हार जिनगानी हइयै का? तुम तो मनो माप की तरह हौ जो तनिक देर दिखाई परत है फिर लोप हुइ जात है। 15ई केर उल्टा तुमका यू कहै का चाही कि जो परभु चाहे तो हम जीयत रहब अउर यू या ऊ कामौ करब। 16मुला अब तुम अपनी डींग पर घमंड करत हौ, अइसा सब घमंड बुरा होत है। 17ई मारे जउन कोऊ भलाई करब जानत है अउर नाहीं करत है, ऊ के खातिर ऊ पाप है।

### धनवान केर चेतावनी

5 ऐ धनी जनौ सुन तो लेव, तुम अपने आवै वाले कलेसन पर चिल्लाय केर रोवौ। 2तुम्हार पइसा बिगड़ि गवा, अउर तुम्हरे कपड़न का किरवा खाय गए। 3तुम्हरे सोना चांदी मइहां काई लागि गइ है, अउर वह काई तुम पर गवाही देई, अउर आगी की तरह तुम्हार मांसु खाइ जाई, तुम आखिरी जुग मा धन बटोरयो है। 4देखौ जउन मजदूर तुम्हार खेत काट लिहिन उनकी वा मजदूरी जो तुम धोखा दइके रख लियो है चिल्लाय रही है अउर लवने वालेन की दुहाई, सेनन के परभु केर कानन तक पहुंचि गई है। 5तुम धरती पर भोग विलाव मा लगे रहौ अउर बहुत सुख भोगेउ तुम ई बध के दिन के खातिर अपने जियरा का पाल–पोस केर मोटा ताजा किहेव। 6तुम धरमी का दोसी ठहराय केर मार डारेउ, ऊ तुम्हार सामना नाहीं करत।

### दुःख म धैर्य राखो

7सो हे भइया लोग, परभु के आवै तक धीरज धरयौ, द्याखौ, गिरिस्ती वालार मनई भइयां केर बहुतै कीमती फल की आस राखत भवा पहिली अउर आखिरी बरखा होय तक धीरज धरत है। 8तुमहूं धीरज और अपने जियरा का मजबूत करौ काहे ते कि परभु की सुभ अवाई नेरे है। 9ऐ भइया लो, एक दूसर पर दोस न लगाओ, जीसे कि तुम दोसी न माने जाओ। द्याखौ मालिक दुआरे पर ठाड़ है।

10ऐ भइया लोग उनका दुख उठावै अउर धीरज धरै का याक नमूना समझौ। 11द्याखौ हम धीरज धरै वालेन का धन्य कहित है तुम ऐयूव के धीरज केर बारे मा ते सुने ही हौ अउर परभु की ओर ते ऊकेर नतीजा का भवा, वहु का जान लिहे हौ, जी ते परभु की बहुतै किरपा अउर दया दिखाई परत है।

12अमुला ए हमरे भइया लोग सबते बढ़िया बात या हे कि किरिया (सौ) न खायौ, न सरग की न पिरथी न कोऊ अउर चीज की, मुला तोहार बातचीत हां की हां अउर नाहीं की नाहीं होय, कि तुम सजा के जोग न माने जाव।

### बिसवासु केर पराथना

13जो तुममा कोउ दुखी होय तो ऊ अरदास करै, विनती करै, जो खुस होय तो ऊ गुनगान के भजन गावै। 14जो तुम मा कोउ बीमार होय तो कलीसिया के पुरनियन का बुलावै अउर उइ परभु के नाम ते ऊ पर तेलु मलि के ऊ के खातिर विनती करैं। 15अउर विसवासु भरोस की विनती केर सहारे बीमार बच जाई अउर परभु ऊ का उठाइ के ठाढ़ कइ देहैं। अउर जो ऊ पापौ किए होई तो उनहिन की माफु हुइ जाई। 16ई मारे तुम आपस मा याक दूसरे केर समूहे अपने–अपने पापन का मान लेव, अउर याक दूसरे के खातिर बिनती करौ जीसे नीक हुइ जाव, धरमी लोगन की बिनती के परभाव ते बहुत कुछ हुइ सकत है।

17एल्लियाहा तो हमरी तरह दुख–सुख भोगै वाला मनई रहै, अउर ऊ गिड़गिड़ाय के विनती किहिस कि बरखा न होय, अउर साढ़े तीन बरस तलक धरती पर बरखा नाहीं भई। 18फिर ऊ विनती किहिस तो आकास ते बरखा भई अउर भुई फलवाली भई।

19ऐ मोरे भइया लोग, जो तुममा ते कउनौं सच्चाई की डगर ते भटक जाय अउर कोऊ ऊ का वापस बोलाय लावै, 20तो ऊ यू जानि ले कि जउन कोऊ कउनेउ भटके भए पापी का वापस लेइ अइहैं ऊ याकु परान का मरै ते बचाई अउर बहुतै पापन पर परदा डारी।